ॐ

वर्ष-9, अंक-17, 1-15 सितम्बर, 2024 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये

कुल पृष्ठ 40

इस अंक में पढ़ें

नॉलेज सर्विसेस कैपिटल की ओर बढ़ता भारत, बंगाल में बवाल, राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है शिक्षा, समुद्री जीवन हेतु संजीवनी है बायोरॉक तकनीक, चली आ रही परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाना आवश्यक, पेरिस ओलंपिक खेल, हरियाणा, असम सहित विभिन्न राज्यों और विदेशों की खबरें साथ ही पढ़े सभी स्थायी स्तंभ और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री।

ऐसे मित्र बनाएं जो अपने विचारों में स्पष्ट हों और स्वभाव से विनम्र हों– आचार्य चाणक्य

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 17, 1-15 सितंबर, 2024

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

07 सुलगते सवाल : रेप व मर्डर, बंगाल में बवाल : आर.पी. तोमर
11 राष्ट्र निर्माण में शिक्षा पहली सीढ़ी : डॉ. रेखा जैन
13 बायोरॉक तकनीक : समुद्री जीवन हेतु संजीवनी : डॉ. दीपक कोहली
15 परम्पराओं को पर्यावरणानुकूल बनाना आवश्यक : एस.के. कुमार
16 पेरिस पैरालंपिक खेल 2024 : हेमंत उपाध्याय

राज्यों से

18 हरियाणा– भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने को बेताबः विशाल शर्मा
20 असम– काज़ी नही कराएंगे निकाह–हिमंत बिस्वा : राजीब अगस्ती

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारॉयण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारॉयण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार–रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी—**अंकित जैन**, मेरठ

चिंतन

22 कांग्रेस द्वारा संघ को समाप्त करने के यत्न-1 : कृष्णानंद सागर
कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-85

23 आचार्य चाणक्य बताते हैं धन और यश का महत्व : रमेश जैन

व्यंग्य

27 साहब का जुकाम स्थिर है : धर्मपाल महेंद्र जैन

अध्यात्म

28 सवाल आपके जवाब गुरुजी नंदकिशोर तिवारी जी के

कविता

29 मेरा गांव : डॉ शिशिर कुमार जैन

समाचार जगत

30 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

31 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

32 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

33 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/ हुरुई जेलियांग

34 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

35 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

36 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

सबरंग

37 लोकार्पण, सिनेमा, टेलीविजन, आयोजन, सम्मान

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश सिंह, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
शुभ्रांशु दाम, धर्मनगर, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
सुमन कुमार, अहमदाबाद, गुजरात
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनायक भिषे, सतारा, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ

अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा *chanakyavarta@gmail.com* पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

चाणक्य वार्ता के 16 अगस्त 2024 के अंक में कट्टरपंथियों पर डॉ. अमित जैन का संपादकीय पढ़ा। इसमें उन्होंने रोहिंग्याओं की भारत में बढ़ती घुसपैठ पर भी चिंता व्यक्त की। इस संपादकीय में उन्होंने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का भी जिक्र किया है। वास्तव में इसे तख्ता-पलट कहा जाए, तो अधिक उपयुक्त होगा। कुछ लोग भारत में भी ऐसा ही होने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। बांग्लादेश सहित कई देशों में इस उपद्रव के पीछे कहीं न कहीं ये कट्टरपंथी ही हैं। इसी लेख में डॉ. जैन ने लिखा है कि भारत में हो रहा जनसंख्या असंतुलन चिंताजनक है। उनकी यह आशंका बिल्कुल ठीक है। जैसे ही यह असंतुलन बढ़ता जाएगा, वैसे ही इन कट्टरपंथियों के कारण एक और भारत विभाजन की संभावना बढ़ती जाएगी।

रमेश शांडिल्य
शिमला, हिमाचल प्रदेश

चाणक्य वार्ता में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया पर आरपी तोमर का लेख पढ़ा। इसमें लेखक ने श्री कटारिया का एक संक्षिप्त जीवन परिचय दिया है। वो अपने छात्र जीवन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि उन्होंने संघ की शाखा चलाने के लिए शिक्षक की नौकरी तक छोड़ दी। गुलाब चंद कटारिया का राजनीतिक जीवन 1977 में ही शुरू हो गया था। उस समय वो जनता पार्टी के सदस्य थे। इसके बाद जैसे ही भाजपा बनी, वो उससे जुड़ गए। इसके बाद वे राजस्थान के गृह व शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के मंत्री भी रहे। राज्यपाल के रूप में उन्होंने असम से अपने गैर-राजनीतिक जीवन का परिचय दिया। अब वे पंजाब के राज्यपाल और चण्डीगढ़ के प्रशासक हैं। उम्मीद है कि यहाँ भी उनकी कार्यशैली से सभी प्रभावित होंगे।

सुरेश दिलावर
जयपुर, राजस्थान

चाणक्य वार्ता के 16 अगस्त के अंक में भारत के स्वतंत्रता दिवस पर डॉ. विनोद बब्बर का लेख पढ़ा। मुझे यह व्यंग्य अधिक लगा। व्यंग्य के दो भाग थे। व्यंग्यकार की लेखनी गणतंत्र से होते हुए लोकतंत्र तक पहुंची। यद्यपि लोकतंत्र पहले आया था और गणतंत्र उसके बाद। डॉ. बब्बर ने भारत विभाजन, जम्मू-कश्मीर विवाद और वर्तमान समस्याओं को अपने शब्दों में पिरोते हुए हम पाठकों का ध्यान खींचा है। इसी अंक में भारत के राष्ट्रीय ध्वज पर डॉ. पूर्ण सिंह डबास का लेख पढ़ा। लेखक ने हमें झंडा शब्द कहां से आया। भारतीय संस्कृति में इसके लिए क्या शब्द है और इसका क्या महत्व है, इसके बारे में विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस पर मुनि अक्षय सागर महाराज का लेख पढ़ा। भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर देने वाले बहुत से लोगों के नाम भी हम नहीं जानते, जिनके कारण वास्तव में हमें स्वतंत्रता मिली। मैं मुनि श्री की सभी बातों से अक्षरशः सहमत हूं।

आदेश पारीख
अहमदाबाद, गुजरात

बांग्लादेश में तख्ता-पलट पर योगेश कुमार गोयल का चाणक्य वार्ता में लेख पढ़ा। शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश ने बहुत विकास किया। उनकी विकास दर पाकिस्तान से भी अधिक हो गई थी। जबकि बांग्लादेश को पाकिस्तान के लगभग 25 वर्ष बाद स्वतंत्रता मिली थी। लेखक का विश्लेषण अपनी जगह ठीक है। किंतु मुझे इसमें विदेशी साजिश नजर आती है। वह चाहें अमेरिका के द्वारा रची गई हो या फिर पाकिस्तान व चीन के द्वारा। इसी लेख में प्रकाशित किए गए लक्ष्मीनारायण भाला के विचारों से मैं सहमत हूं। बांग्लादेश में जब-तक स्थिति सामान्य नहीं होती, वहां रह रहे हिन्दुओं को भारत में शरण देनी ही चाहिए। आखिर हिन्दुओं के पास जाने के लिए और कोई देश है भी तो नहीं।

आशु जैन
बेंगलुरु, कर्नाटक

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के द्वारा एमएसपी को अनिवार्य करने के लिए जो कदम उठाये गये उस विषय पर चाणक्य वार्ता के 16 अगस्त के अंक में विशाल शर्मा का लेख पढ़ा। किसानों के बारे में हरियाणा की भाजपा सरकार ने काफी काम किया है। इसके कुछ उदाहरण लेखक ने लेख में दिए हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एमएसपी पर प्रदेशवासियों को बहका रही है। दरअसल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह निर्णय विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लिया गया है। श्री सैनी ने इसी का जवाब दिया था। लेखक ने गुरुग्राम में रैपिड मेट्रो विस्तार की भी जानकारी दी। जो एक अच्छा विकास कार्य है।

अजीत कुमार शर्मा
करोल बाग, दिल्ली

चाणक्य वार्ता के अंक में असम के विकास पर राजीब अगस्ती का लेख पढ़ा। लेखक ने अपनी बात प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के भाषण के द्वारा रखी। सरमा के भाषण का जो अंश लेखक ने लिया है, उससे उनके द्वारा पिछले तीन वर्षों में किये गए कार्यों की पूरी तस्वीर हम पाठकों के सामने आ गई। इसी अंक में बाढ़-बारिश और भूस्खलन के कारण वायनाड में हुई तबाही पर अभिनव तोमर का लेख पढ़ा। यह प्राकृतिक आपदा दिल-दहला देने वाली थी। लेखक ने कई अन्य राज्यों में भी हुई इसी तरह की तबाही को और उसके पीछे के कारण को बहुत अच्छी तरह लिखा है।

हृदय नारायण तिवारी
भोपाल, मध्य प्रदेश

चाणक्य वार्ता के अंक में जवाहर कर्नावट की महत्वपूर्ण पुस्तक पर धर्मपाल महेंद्र जैन की समीक्षा को पढ़ा। यह जानकार बहुत प्रसन्नता हुई कि विदेशों में भी हिन्दी पत्रकारिता अपनी अमिट छाप छोड़ रही है। इस समीक्षा को ही पढ़कर पता चल जाता है कि विदेशों में भी हिन्दी कितनी प्रासांगिक है और उसका योगदान रोजगार सृजन में भी है। निश्चित ही इस पुस्तक को पढ़ना बहुत ही ज्ञानवर्धक होगा। इसी अंक में रक्षाबंधन पर मुकेश कुमार ऋषि वर्मा की कविता ने भी मुझे अपनी ओर आकर्षित किया।

डॉ. भरत कुमार
बनारस, उत्तर प्रदेश